कुमार जीवन - 70

अव्यक्त बापदादा :-

➳ _ ➳ युवाओं से:- सब तरफ वाले युवा हाथ उठाओ। डायमण्ड जुबली में युवा क्या करेंगे? युवा में डबल शक्ति है। शारीरिक शक्ति भी है तो आत्मिक शक्ति भी है। तो डबल शक्ति से डायमण्ड जुबली में क्या विशेषता दिखायेंगे? रैली निकालना, फंक्शन करना ये तो करते ही रहते हो। कितने बारी किया है, बहुत बार किया है। अभी क्या करेंगे? हर एक युवा जो आजकल के अज्ञानी युवा एसोसिएशन हैं या ग्रुप हैं, जो और भी देश में नुकसान करते हैं, गवर्नमेन्ट को भी तंग करते हैं, ऐसे कोई एसोसिएशन तैयार करना, उनमें से जो ऐसे नुकसान करने वाले हैं उन्हों को परिवर्तन करके दिखाओ। प्रैक्टिकल में हर एक युवा अपने- अपने सेवास्थान पर ऐसा परिवर्तन किया हुआ ग्रुप तैयार करो। जो भी ज़ोन आये हैं हरेक ज़ोन में कहाँ 100 हैं, कहाँ 50 सेवाकेन्द्र हैं, गीता पाठशालायें तो बहुत हैं लेकिन हर एक ज़ोन अपने एरिया में जहाँ-जहाँ सेवाकेन्द्र है, वहाँ से ऐसे परिवर्तन किया हुआ सेम्पुल तैयार करो। आप लोगों को मालूम है, जब डाकुओं का हुआ था तो एक डाकू परिवर्तित हुआ, एक एक्जैम्पुल निकला और देखा गया कि एक डाकू कहाँ भी अपना अनुभव सुनाता था तो सभी को बहुत रुचि होती थी। तो आप लोग फिर ऐसे एसोसिएशन्स जहाँ संगठन होता है, वहाँ से जितने तैयार कर सको उतने निकालो। एक्जैम्पुल तैयार करो। फिर सभी ज़ोन के जो निकलेंगे उनका विशेष सभी का मिल करके फंक्शन रखेंगे और उसमें गवर्नमेन्ट के डिपार्टमेन्ट को दिखायेंगे कि ये युवा क्या करते हैं और वो युवा क्या करते हैं। तो युवा तैयार हैं? नम्बर लेना है? हाँ या ना? कितना टाइम चाहिये? डायमण्ड जुबली के 6 मास चाहिए, 4 मास चाहिए, कितना टाइम चाहिए? महाराष्ट्र के युवा क्या करेंगे? जवाब दो। मुश्किल लगता है क्या? तो जो हाँ कहते हैं, करेंगे, वो हाथ उठाओ। अच्छा। यू.पी. वाले करेंगे? हाँ बोलो या ना बोलो। कितने टाइम में करेंगे? डायमण्ड जुबली के 6 मास चाहिए? 6 मास के बाद ऐसे नहीं कहना, तो कोई मानता नहीं, दुबारा मार्क्स दे दो। चाहे कोई ज्यादा एक्जैम्पुल तैयार करे, चाहे कम करे लेकिन ना शब्द नहीं आना चाहिए। तो इसमें पहला नम्बर कौन लेगा? टीचर्स समझती हैं हो जायेगा? होना ही है। गवर्नमेन्ट को प्रैक्टिकल मिसाल चाहिए। आप लोग कहते हो ना कि हम सोशल वर्क बहुत करते हैं। तो वो मिसाल चाहती है। तो ऐसा ग्रुप तैयार करना और टीचर्स का काम है कराना। अच्छा। (13-12-1995)

➢➢ आत्माओं को परिवर्तित करने के लिए क्या करें ?

➳ _ ➳ स्व परिवर्तन

→ स्वयं के जीवन से बाप का परिचय दो

- विश्व को परिवर्तित करने का मार्ग स्वयं से शुरू होता है
- विश्व को परिवर्तित करने की पहली सीढी "स्व" है

→ स्व परिवर्तन 3 Levels पर होता है

- स्वयं में सुधार लाना
- स्वयं में क्रान्ति लाना

- स्वयं ही स्वयं के प्रति विद्रोह करना

➢➢ पुरुषार्थ के मुख्य बिंदु

➽ _ ➽ सांसारिक सुख सुविधाओं की कमी होना एक वरदान है

→ तभी हम अध्यात्म में उन्नति करते हैं

➽ _ ➽ निश्चय और प्रेम का उदाहरण

→ शबरी तब से राम की प्रतीक्षा कर रही थी

- जब राम का जन्म ही नहीं हुआ था

➽ _ ➽ सदैव “हाँ जी” करना

→ सबसे बड़ी साधना है

- इससे जो कार्य आपको नहीं आता

  - उसमें भी आप निपुण हो जायेंगे

→ इससे **सभी शक्तियां एकाग्र** हो जायेंगी

→ “ना” करना रॉयल स्टूडेंट की निशानी नहीं है